महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः

देवासमार्गः,उज्जैनम् (म.प्र.) 456010

एम. ए. हिन्दू अध्ययन

{Programme code – MA-HIS}

स्नातकोत्तरपरीक्षापाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

2022-2023

विशिष्टसंस्कृतविभागः

कलासङ्कायः

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः, देवासमार्गः,उज्जैनम् (म.प्र.)

अणुसंकेतः - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुटम्** - www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दू अध्ययन (सी.बी.सी.एस.)परीक्षापाठ्यक्रमः

नियमावली

एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षापाठ्यक्रम (C.B.C.S)

नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप-**

एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा का द्विवार्षिक पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम के प्रतिसत्रार्द्ध में 06 प्रश्नपत्र होंगे। उसमें चार प्रश्नपत्र अनिवार्य है। पञ्चम पत्र वैकल्पिक है। चार विषय विकल्प के रूप में प्रदत्त हैं। छात्र स्वेच्छा से किसी एक विषय को चयनित कर सकते हैं। षष्ठ प्रश्नपत्र सम्प्रेषण कौशल और समूहचर्चा के लिए निर्धारित है। तृतीयसत्रार्द्ध के षष्ठ प्रश्नपत्र में परियोजनाकार्य को विकल्प से ले सकते हैं। परियोजनाकार्य में अनुवाद पाण्डुलिपिसम्पादन प्रशिक्षणकार्य सर्वेक्षण कार्यस्थल प्रशिक्षण आदि कर सकते हैं। चतुर्थसत्रार्द्ध के षष्ठ प्रश्नपत्र में लघुशोधप्रबन्धलेखन विकल्प से ले सकते हैं । पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन एवं 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. **प्रवेश नियम-**

एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे-
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. **परीक्षा योजना**

1. एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा।
2. एम.ए (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा में (प्रथम-द्वितीय-तृतीय-चतुर्थ सत्रार्द्ध) उत्तीर्ण होने के लिए समष्टि रूप से 35% अङ्क अपेक्षित होंगे।

4. **प्रश्नपत्र निर्माण योजना**

प्रतिप्रश्न निम्नानुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमः	प्रश्नप्रकारः	प्रश्नसंख्या	अंकः	योगः
1	बहुविकल्पीयाप्रश्नाः	5	1	5
2	लघूत्तरीयप्रश्नाः	5	3	15
3	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्	1	1	40
				योग-100

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

5. ग्रेडिंगपद्धतिः श्रेणीनिर्धारणं च

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90 – 100
A+	9	Excellent	80 - 89
A	8	Very Good	70 - 79
B+	7	Good	60 - 69
B	6	Above Average	50 - 59
C	5	Average	40 - 49
P	4	Pass	35 – 39
F	0	Fail	0 - 34
Ab	0	Absent	Absent

Division	Criterion
First Division with Distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above.
First Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above.
Second Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50 .
Pass Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

Equivalent Percentage- CGPAX10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA), Yearly Grade point average (YGPA),and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/YGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/YGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत शिक्षण
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

प्रथमसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा -अङ्काः	आन्तरिकमूल्यांकन - अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 101	CC 1	संस्कृत परिचय	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 102	CC 2	रामायण	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 103	CC 3	महाभारत	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 104	CC 4	पुराण परिचय	05	5Hrs	60	40	100
PVYG 102	EC योग	योग के आधारभूततत्त्व	05	5Hrs	60	40	100
VVVS 102	EC वास्तुशास्त्र	प्रारम्भिक वास्तुशास्त्रम्					
ARSN104	EC संस्कृत	पुराणेतिहासः					
VVJY 102	EC ज्योतिर्विज्ञान	फलित ज्योतिष					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills	03	3 Hrs	NA	60	60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion	02	2 Hrs	NA	40	40
		TOTAL	**30**	**30**	**300**	**300**	**600**

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS) GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततःछात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम्।

उद्देश्यानि-

- हिन्दू अध्ययनस्य वैशिष्ट्यं छात्राः जानीयुः।
- भारतीयसंस्कृतेः, मानवमूल्यानाम्, भारतस्य गौरवपूर्णेतिहासस्य च परिचयः छात्रेषु भवेयुः।
- कुशलवक्तारः, उपदेष्टारः, व्याख्यातारः, साहित्यकाराः, विद्वांसश्च छात्राः भवेयुः।
- स्ववृत्यर्थं छात्राणां कौशलसम्वर्द्धनम्।
- शासकीय-अशासकीयक्षेत्रेषु संस्कृतशिक्षकाणां, प्रबन्धकानां, मार्गदर्शकानां, धर्मगुरूणां च पदेषु नियुक्त्यर्थं योग्यनागरिकनिर्माणम्।

लाभाः-

- स्नात्कोत्तरोपाधिं प्राप्य छात्राः शासकीयाशासकीयेषु वा संस्थासु शिक्षकाः भवितुमर्हन्ति।
- छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः- CC1	विषयकूटः-ARHS 101	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**संस्कृत परिचय-प्रथमप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. संस्कृतभाषायाः परिज्ञानं भविष्यति। 3.वर्णोच्चारणादिकस्य ज्ञानं भविष्यति। 4.स्वरादिकस्य परिचयो भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकाः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्काः
ईकाई01	**संस्कृताध्ययन के उद्देश्य और प्रयोजन** 1. संस्कृतवर्णमालापरिचय - चतुर्दश माहेश्वरसूत्राणि विसर्ग, वर्णसयोगः, उच्चारणस्थानम् लेखन-प्रक्रियाक, च 2. शब्दरूपम्, कारकम् (अर्थसहित सामान्यपरिचयः) –	12

वचनदृष्टया च वर्गीकरणम्।

शब्दा (अजन्ता/स्वरान्ता)					
			उकारान्त	ऋकारान्त	आकारान्त	ईकारान्त
			गुरु	पितृ, दातृ	-	-
			धेनु	मातृ	लता	नदी
			वस्तु	-	-	-

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	2.2 सर्वनाम- अस्मद्, युष्मद्, तत्, एतत्, यत्, भवत्, किम्, इदम्, अदस्, सर्व (त्रिषु लिङ्गेषु)। 2.3 शब्दरूपम् (हलन्तम्/व्यञ्जनान्तम्)- <table><tr><td colspan="2">शब्दाः हलन्ताः/(व्यञ्जनान्ताः)</td></tr><tr><td>पुलिङ्ग</td><td>भिषज् (भिषक्), महत्, सुहृद्, राजन्, विद्यार्थिन्, पथिन्, गच्छत, मरुत् आत्मन्, ब्रह्मन्, विद्वस्</td></tr><tr><td>स्त्रिलिङ्ग</td><td></td></tr><tr><td>नपुसकलिङ्ग</td><td></td></tr></table>3. धातुरुपम् स्वरुपम्/धातुरूपस्वरूपम् 3.3 पञ्चलकारेषु धातुरूपाणि परस्मैपदिनः- लिख, चल्, नम्, खाद्, वद्, हस्, गै, कृ, क्री, ज्ञा, घ्रा, नी, दृश्, धृ, पत्, स्मृ, क्रुध्, शक्, पृच्छ्, इष (इच्छ्), दा, जिव्, त्यज्, धाव्, पच्, रक्ष्, सृ, रुद्, भी, नश्, स्निह्, आप्, क्षिप्, जप्, विश्, मिल्, ग्रह्, चिन्त्, पाल्, रच्. क्षल्। आत्मनेपदिनः- लभ, मुद्, क्षम्, वृध्, सह्, सेव्, ईक्ष्, ऊह्, कम्प्, भाष्, यत्, रम्, वन्द्, याच्, शीङ्। सत्तात्मकौ – अस् सू।	
ईकाई 02	1. सन्धिः – स्वरसन्धि – प्रण, अयादि, गुण, वृद्धि, दीर्घ, पूर्वरुप, पररुप, प्रकृतिभाव। परसवर्ण/परसवर्ण, श्चुत्वम्, ष्टुत्वम्, जशत्वम्, चत्वम्, णत्व-षत्वविधिः। विसर्गसन्धिः – विसर्गलोप्, विसर्गस्थाने ओ', र, स, श्, ष्। 2. समास – केवलसमासः, द्विगुः, बहुव्रीहिः, द्वन्द्वः।	12
ईकाई03	1. कारकम् कर्ता, कर्म, करणम्, सम्प्रदानम्, अपादानम् (सम्बन्धः), अधिकरणम्, सम्बोधनम्। 2. उपपदविभक्तिः • अधि, अनु, उप, उभयत, प्रति, धिक्, बिना.....योगे द्वितीया। • अलम्, बिना, सह, योगे तृतीया। • बिना, बहिः, परम्, पूर्वम् योगे पञ्चमी। • अग्रतः, पृष्ठत, दक्षिणतः, उत्तरत, योगे षष्ठी। • योगे सप्तमी 3 वाच्यम्- कर्मवाच्यम् 4 प्रत्यय- (क) तुमुन, शतृ, शानच्, ण्यत्, वितन्, ल्युट्, तव्यत् 5 अव्ययम्- 6. उपसर्गः – आ, उत्, अनु, वि, प्र, परि, अव, उप, सम, अप। 7. विशेष्य-विशेषणसम्बन्धः। 8. सङ्ख्या – सङ्ख्यावाचि- शब्दरुपाणि एकः, द्वौः, त्रयः, चत्वारः (त्रिषु लिङ्गेषु)।	12
ईकाई04	1. संस्कृत शब्दावलियों का पाश्चात्य अवधराणाओं से विरोधाभास (ईश्वर/God, आत्मा/Soul, समुदाय, धर्म/Religion, पति-पत्नी/Husband-wife इत्यादि)	12
ईकाई05	संस्कृत पाठ्यांशो सा माध्यम से संस्कृत भाषा का पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, भूगर्भतल, चौक, वाराणसी 221001।
2. अनुवादचन्द्रिका, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, चौक, वाराणसी 221001।
3. संस्कृत स्वयं शिक्षक, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली 1100001।
4. व्याकरणसौरभम्, सम्पादक- कमलकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 2002।
5. व्याकरणवीथि सम्पादक- कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 2003।
6. संस्कृत बालबोध, भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली- 110001।
7. सरल संस्कृत शिक्षक (भाग 1 से 8 तक), भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली 110001।
8. सरलसंस्कृतज्ञानम् (भाग 1 एवं 2 तक) भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली 110001।
9. संस्कृत स्वाध्याय केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय संस्कृत
10. दार्शनिक सम्प्रत्ययकोश सम्पादक- शशिप्रभा कुमार, संतोष कुमार शुक्ल
11. संस्कृतवाक्यों में वाच्यपरिवर्तन सिद्धान्त, भगवतशरणशुक्ल, साकेत साहित्य प्रकाशन इलाहाबाद
12. कारकप्रकरणम् भागवतशरण शुक्ल, चौखम्बा संस्कृतपुस्तकालय, सी.के 28
13. शुद्धिकौमुदी
14. पञ्चतन्त्रम्
15. श्रीमद्भगवद्गीता

Suggested equivalent online courses:-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

पूर्णाङ्काः:	100
सततव्यापकमूल्याङ्कनाङ्काः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षाङ्काः (UE)	60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् सततव्यापकमूल्याङ्कनम् (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्/लिखितपरीक्षा/साक्षात्कारविधिः/ वाग्व्यवहारविधिः	
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्चबहुविकल्पीयप्रश्नाः	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघूत्तरीयप्रश्नाः प्रत्येकं द्विशतशब्दाः (200 words)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः (500 words)	5 × 8 =40
	योगः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC2	**विषयकूटः- ARHS102**	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**रामायण – द्वितीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.रामायणकालीनसमाजस्य सामान्यज्ञानं भविष्यति। 2.राजनीतिविषयकं ज्ञानं भविष्यति। 3.लोकव्यवहारनिपुणो भविष्यति। 4. तत्त्वविषयकं शास्त्रीयज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः) सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)		
ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1.रामायण इसका पाठ निर्धारण तहत विस्तार- भारत तथा विदेशों में- अ) रामकथा का वैदिक आधार। ब) मूलकथा की दिव्योत्पत्ति के पारम्परिक ग्रन्थ, जो उसी रूप में महर्षि वाल्मीकि के रामायण में वर्णित। स) भारत से बाहर विकसित (श्रीराम-) श्रद्धापरक, जो महर्षि वाल्मीकि की मूल कथा से बहुत अधिक भिन्न है।	12
ईकाई 2	1. पारम्परिक रामायणों की लोकप्रियता तथा प्रासंगिकता। 2. रामायण एक उपजीव्य ग्रन्थ : भारतीय साहित्य एवं कला (लोककला, शास्त्रीय कला तथा समकालीन कला)। 3. अध्यात्म रामायण, कम्बन, कृतिवास, बलराम, आनन्द, अभूत, तुलसी	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 3	1. मर्यादापुरुषोत्तम राम। 2. रामायण में मानवीय तथा मानव-प्रकृति सम्बन्ध।	12
ईकाई 4	1. समाज में ऋषियों की भूमिका : नायक निर्माता के रूप में। 2. रामायण में स्त्रीविमर्श : सीता, मन्दोदरी, तारा, अनुसूया, कैकेयी, उर्मिला के सन्दर्भ में।	12
ईकाई 5	रामराज्य (राम-भरत संवाद- वाल्मीकि रामायण)	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. श्रीमद्वाल्मीकि रामायण, हिन्दी अनुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर, संस्करण 17, 2002।
2. श्रीमद्वाल्मीकि रामायण, (भाग 1-2), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, न्यू हैदराबाद, लखनऊ, 1988।
3. रामायण-महाभारत, काल, इतिहास, सिद्धान्त, पोद्दार वासुदेव, 'प्रज्ञाभारती' भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
4. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, तृतीय खण्ड(आर्षकाव्य) रामायण, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानए न्यू हैदराबाद, लखनऊ।
5. इतिहास पुरुष द कास्मिक पैसेज ऑफ़ टाइम, पोद्दार वासुदेव, अनुवादक माधवराव स्प्रे।
6. रामायणमीमांसा, धर्मसम्राट् हरिहरानन्द सरस्वती करपात्री स्वामी,

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: **100**

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC3	**विषयकूटः- ARHS 103**	सत्रम् -2022-**2023**
2.	शीर्षकः	**महाभारत - तृतीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.महाभारतकालीनसमाजस्य परिज्ञानं भविष्यति। 2. महाभारतकालीनभारतस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः) सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)		
ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1.महाभारत का काल – पाठपरम्परा के पारम्परिक तथा आधुनिक स्रोत- युधिष्ठिर, कृष्ण एवं विक्रम संवत्। मूल कथा तथा अन्य संस्करणों की समीक्षा (भारतीय तथा अन्य)।	12
ईकाई 2	1.एक सम्पूर्ण (विश्वकोश ग्रन्थ) जो धर्म और संसार की सूक्ष्मता के बारे में शिक्षित करे। क) धर्म के दश लक्षणों के बारे में दस कथायें : धृति (गंगावतरण), क्षमा (वशिष्ट और विश्वमित्र), दम (ययाति और पुरु), अस्तेय (युधिष्ठिर-यक्ष सम्वाद), शौच (सैरन्ध्री-विराटपर्व), इन्द्रियनिग्रह (धर्मव्याध के इन्द्रियनिग्रह विषयक उपदेश), धी उपदेश (सावित्री), विद्या (मनुष्य-शेर-साँप-हाथी की कथा-स्त्री पर्व), सत्यम् (हरीशचन्द्र/सत्यकाम) अक्रोध (विदुर)।	12
ईकाई 3	1.महाभारत भारतीय साहित्य, कला (लोक, शास्त्रीय तथा समकालीन कलाओं) के लिए उपजीव्य काव्य (सन्दर्भ ग्रन्थ)	12
ईकाई 4	1.विदुरनीति तथा भगवद्गीता। (सामान्याध्ययन)। राजनीति तथा शासन के सम्बन्ध में भीष्म का युधिष्ठिर को उपदेश।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 5	1.भारतवर्ष की भौगोलिक एवं राजनीतिक सीमाएँ। 2.स्त्रीविमर्श।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. महाभारत, वेदव्यास, अनुवादक- श्रीपाद शास्त्री सातवलेकर, प्रकाशन- स्वाध्याय मण्डल, पारडी बालसड, 1968।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, तृतीय खण्ड- आर्षकाव्य (महाभारत), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, प्रथम संस्करण.
3. महाभारतम् (संक्षिप्त दो खण्ड), महर्षि वेदव्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर, 1946।
4. Social & Political Implications of Concepts of Justice and Dharma, Chousalkar Ashok S., Mittal Publications, Delhi, 1986.
5. Moral Dilemmas in the Mahb bharato, B.K. Matilal, Indian Institute of Advanced Study, Shimla and Motilal Banarsidas, New Delhi, 1989.
6. Ethics and Epics, B.K. MatilalOxford University Press, Oxford, 2002.
7. Ethics of the Mahabharata, Sitansu S. Chakravarti, Munshiram Manoharlal Publishers, Delhi, 2006.
8. The Dialogic Imagination : Chronatope and Heteroglossia, Ed. by Michael Halquist, Austin and London, University of Texas Press, 1981.

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC4	**विषयकूटः- ARHS104**	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**पुराण परिचय-चतुर्थप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.पुराणस्य ज्ञानं भविष्यति। 2.वाक् कौशलं विकसति। 3.पुराणकालीनसमाजस्य ज्ञानं विशेषरूपेण भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1. पुराण शब्द का अर्थ। अष्टादश पुराण और उपपुराण परिचय, पुराणों के द्वारा वेदों का उपबृहण। 2. पुराण पञ्च लक्षण, पुराणों तथा आगम का अन्तःसम्बन्ध। 3. पुराणों में कालगणना।	12
ईकाई 2	1. धर्म, दिनचर्या, संस्कार, अतिथि सत्कार की अवधारणा। 2. तप, यज्ञ, दान एवं क्रिया (इष्ट-आ-पुर्त्त-दत्त)।	12
ईकाई 3	1. पुराणों में भारतीय जन, भाषा तथा भूगोल का वर्णन- संस्कृत, एकीकरण की भाषा के रूप में। 2. आख्यान एवं उपाख्यान परिभाषा। 3. पुराणों में ऋषि एवं ऋषिकायें (वृहद्देवता प्रोक्त)	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 4	1. पुराणों में कतिपय विशिष्ट स्त्री तथा पुरुष चरित्र- - वेदव्यास, दधीचि, मान्धाता, मुचकुन्द, नहुष, रन्तिदेव, राम, भरत, अम्बरीष, पुरंजन। - पार्वती, अनुसूया, अहिल्या, सीता, मन्दोदरी, कुन्ती, द्रौपदी।	12
ईकाई 5	(1) द्वादशारण्य। (2) सप्तपुरियाँ। (3) तीर्थस्थल चार धाम। (4) द्वादश (5) ज्योतिर्लिंग। (6) 52 शक्तिपीठ। (7) सप्तद्वीप।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. पुराणपरिशीलन, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना 1970।
2. पौराणिक कोश राणा प्रताप शर्मा, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी वि.स. 2014।
3. अष्टादशपुराणदर्पण, ज्वालाप्रसाद मिश्र, वेंकटेश्वर प्रेस मुम्बई, 1993।
4. पुराणपर्यालोचन, कृष्णमणि त्रिपाठी, सं. विश्वनाथ पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 1976।
5. पुराणविमर्श, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1965।
6. व्रतपरिचय, हनुमान शर्मा, गीताप्रेस, गोरखपुर, सत्र 2058।
7. सनातनधर्मोद्धार (भाषा-भाव-प्रभाटीकासमेत)(खण्ड 1 से 4) उमापति द्विवेदी महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाशक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस. वाराणसी संवत् 1999।
8. पुराणों में कुछ भौगोलिक सन्दर्भ – वायुपुराण-1/ ३४-35, ब्रह्माण्डपुराण- 2/15, मत्स्यपुराण- 1/21, श्रीमद्भागवत- 5/16-20, विष्णुपुराण- 2/2-6, मार्कण्डेयपुराण- 51-57, नारदपुराण- 30, पद्मपुराण-सृष्टिखण्ड 3-9, कूर्मपुराण- 1/44-49, वराहपुराण- 7/4-9 ब्रह्मपुराण- 1/8-26, देवीपुराण- 8/4-13, लिङ्गपुराण- 1/46, गरुडपुराण-1/54-57, शिवपुराण-3/17-18 आदि।.

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि,
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

द्वितीयसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा-अङ्काः	आन्तरिक मूल्यांकन-अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 201	CC 1	भारतीय संस्कृति	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 202	CC 2	धर्म एवं कर्म विमर्श	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 203	CC 3	वैदिक परम्परा के सिद्धान्त	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 204	CC 4	वेदाङ्ग	05	5Hrs	60	40	100
PVYG202	EC योग	हठ योग के सिद्धान्त	05	5Hrs	60	40	100
VVVS201	EC वास्तुशास्त्रम्	विश्वकर्मा वास्तु					
ARSN201	EC संस्कृत	वैदिक साहित्य					
VVJY202	EC ज्योतिर्विज्ञानम्	मुहुर्तशास्त्रम्					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills	03	3 Hrs	NA	60	60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion	02	2 Hrs	NA	40	40
		TOTAL	30	30	300	300	600

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS)
GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततःछात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम्।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग,
म.पा.सं एवं वै.वि.वि,
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC1	**विषयकूटः- ARHS201**	सत्रम् -2022-**2023**
2.	शीर्षकः	**भारतीय संस्कृति**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. पाश्चात्यप्रतिबन्धज्ञानं भविष्यति। 2.पाश्चात्यवादविषयकं ज्ञानं भविष्यति 3. मानवीयजीवनमूल्यस्य विशेषपरिज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	संस्कृति का अर्थ। संस्कृति और सभ्यता में भेद। संस्कृति के मूलाधार, वैदिक साहित्य में संस्कृति।	12
ईकाई 2	संस्कार : परिभाषा तथा भेद। संस्कारों की सम्पादन विधि का परिचय तथा संस्कारों का महत्त्व।	12
ईकाई 3	पुरुषार्थ : धर्म अर्थ काम तथा मोक्ष का तात्त्विक विवेचन, प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था।	12
ईकाई 4	आश्रम व्यवस्था का परिचय, महत्त्व, शास्त्रीय तथा वैज्ञानिक आधार, आश्रम के कर्तव्य तथा अधिकार, आश्रम व्यवस्था की उपादेयता।	12
ईकाई 5	वर्णव्यवस्था : वर्णव्यवस्था के शास्त्रीय तथा वैज्ञानिक आधार। वर्णव्यवस्था तथा जाति व्यवस्था में अंतर। वर्णव्यवस्था की विशेषतायें।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि
अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- 1. प्राचीन भारतीय संस्कृति – डॉ. वीरेन्द्र सिंह 2. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर 3. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय 4. संस्कारप्रकाश – गीताप्रेस 5. संस्कारों का तात्त्विक विवेचन – भवानीशङ्कर पाण्डेय
Suggested equivalent online courses: **1- Sanskrit.inira.fr/** **2. learnsanskrit.cc/index** **3.sanskrit.samskrutam.com** **.swayam.gov.in**
भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः
अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः:: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-CC2	**विषयकूटः- ARHS202**	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**धर्म एवं कर्म विमर्श -द्वितीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.आत्मतत्वस्य परिचयो भविष्यति । 2.अनुबन्धचतुष्टयस्य ज्ञानं भविष्यति। 3. धार्मिकतत्वज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः) सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)		
ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1. धर्म- परिभाषाओं का सर्वेक्षण (श्रुति, स्मृति, कल्प, धर्मशास्त्र तथा सम्पूर्ण परम्परा में)- अ) उत्तदायित्व तथा सेवा-भाव में सम्बन्ध । ब) प्रवृत्ति तथा निवृत्तिमूलक धर्म, अभ्युदय एवं निःश्रेयस् (पुरुषार्थ) की सिद्धि हेतु।	12
ईकाई 2	1. वैदिक, जैन, बौद्ध एवं सिक्ख परम्परा में सभी स्तरों पर धर्म एक संगठनात्मक सिद्धान्त-- अ) व्यक्तिगत (आश्रम धर्म) और वर्णाश्रम धर्म को चुनने की स्वतंत्रता। ब) समाज और समुदाय : आचार, व्यवहार, प्रायश्चित्त एवं संबंधित विधिशास्त्र। स) राज्य तथा राजा का दायित्व : राजधर्म । द) ब्रह्माण्ड और ऋत की अवधारणा।	12
ईकाई 3	1. विश्वास और उपासना पर धर्म की प्रधानता-	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	अ) सच्च वैष्णव (वैष्णव जन तो....), शेव, सिक्ख (देहु शिवा वर मोहे एसो...), बौद्ध (अष्टांगिक मार्ग) की परिभाषाएँ। ब) धर्म का आविर्भावात्मक स्वरूप, साक्षात्कार की श्रृंखलाओं पर आधारित : धर्म जडात्मक इकाई नहीं। 2. धर्म, रिलीजन, पन्थ, मजहब एव सम्प्रदाय पदों की व्याख्या।	
ईकाई 4	1. कर्म परिभाषाओ का सर्वेक्षण- अ) कर्म, विकर्म एवं अकर्म (भगवद्गीता)। ब) छ:श्रेणियाँ : काम्य, नित्य, निषिद्ध, नैमित्तिक, प्रायश्चित्त एवं उपासना। 2. अ) व्यक्ति के लिए सकाम कर्म का प्रावधान । ब) निष्काम कर्म ब्रह्म या सर्वम एक वास्तविक कर्ता के रूप में। विनयशीलता तथा कर्तव्यकर्म दायित्व मात्र के निर्वहण लिए।	12
ईकाई 5	1. कर्म का सकलास्वातन्त्र्य, लेकिन कर्मफल पर पूर्णनियन्त्रण का अभाव, कर्मफल की अपरिहार्यता। 2. कर्म और संस्कार (भागवतपुराण में राजा भरत के मृग बनने की कथा)।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

संस्तुत पाठ्यसामग्री--

1. धर्मशास्त्र का इतिहास. पी वी काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, भाग-5, सन् 2019, सप्तम संस्करण।

2. हिन्दूधर्म जीवन में सनातन की खोज, विद्यानिवास मिश्र, राधाकृषण प्रकाशन, दिल्ली. 2013 |

3. उपनिषद दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण, रामचन्द्र दत्तात्रेय रानाडे, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर,1971।

4. जैन धर्म पं० कैलाशचन्द्र जी सिद्धान्त शास्त्री (प्राच्य श्रमण), भारती, मुजफ्फरनगर, 1998 |

5. जैन दर्शन मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, जैनविश्वभारती, लाडनूं (राजस्थान), आदर्श साहित्य संघ प्रकाशन थुरू, राजस्थान 2014

6. भगवदगीता शाङ्करभाष्य (हिन्दी अनुवाद सहित) गीताप्रेस गोरखपुर, संवत् 2065 ।

7. कर्मयागशारख (Hindu Philosophy of Ethics) बाल गंगाधर तिलक, शक संवत् 2012, 1934 |

8. सनामामोत्दार (भाषा भाव प्रभाटिकासमेत)(खण्ड 1 से 4). उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय प्रकाशक श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, संवत् 1999 ।

9. Sanatana Dharma: An Advance Text Book of Hindu Religion and Ethics, Bhagwandas and Annie Besant, The Theosophical Publishing House, Madras, 1940.

10. Dharma, the categorial Imperative, edited by: Ashok Vohra, Arvind Sharma, Mrinal Miri, D.K. Printworld, New Delhi, 2005.

11. Jain Dharma ka Maulika Itihasa, vols. I & II, Acharya Hastimala, Gaj Singh Rathore, Premraj Bujawal, Jaipur, Jaina Itihas Samiti, Lal Bhavan, Jaipur, 4th Ed., 1999.

12. Bauddha Dharma Darsana, Acharya, Narendradeva, Patna, Bihar Rashtrabhasha Parishad, 1956.

विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

13. Dharma and ethics: the Indian ideal of human perfection; (revised version of papers presented at the National Seminar on Dharma, Virtue and Morality: the Indian Ideal of Human Perfection, held at Kanpur in 2005] by : D.C. Srivastava, Bijoy H. Boruah, Decent Books, New Delhi, 2010.

14. The Dharmasāstra : an introductory analysis by Brajakishore Swain; Akshaya Prakashan, Delhi, 2004.

15. Social & Political Implications of Concepts of Justice and Dharma, Chousalkar Ashok S., Mittal Publications, Delhi, 1986.

16. The Hindu vision, Anantanand Rambachan, Motilal Banaridaas, Delhi, 1999.

17. Dharma in early Brahmanic, Buddhist and Jain traditions, Vincent Sekhar, Sri Satguru Publication, Delhi.

18. रत्नकरण्डकश्रावकाचार: - आचार्यसमन्तभद्रः

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC3	**विषयकूटः-** ARHS 203	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**वैदिक परम्परा के सिद्धान्त-तृतीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.वैदिकपरम्परायाः परिचयोः भविष्यति। 2.कर्तव्याकर्तव्यस्य ज्ञानं भविष्यति। 3.यज्ञमीमांसायाः अवबोधो भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)
सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**वैदिक परम्परा एवं उसके आधारभूत तत्त्व** 1. वेद : अर्थ एवं व्युत्पत्ति, पर्याय, विभिन्न परम्पराए। 2. वेद, वेदत्रयी, समाम्नाय, निगम, स्वाध्याय आदि का एकत्व। 3. ऋषि, देवता एवं छन्द का स्वरूप। 4. वैदिक संहिताओं एवं शाखाओं का उद्भव एवं विकास। 5. वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों का एकशरीरत्न अथवा एकात्मता। 6. निगमागम का अन्तःसम्बन्ध।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 2	**यज्ञ एवं इष्टियाँ—** 1. काम्य एवं निष्काम यज्ञ। 2. यज्ञ की पात्रता एवं प्रारम्भिक विधान । 3. अग्निहोत्र, सन्ध्योपासन एवं वृत्ति-निराष्टा । 4. अग्निशाला, पंचाग्नि विवरण एवं यागशाला का विज्ञान । 5. ऋत, सत्य, दीक्षा, तप एवं यज्ञ के प्रत्यय। 6. शुभ एवं अशुभ की अवधारणाएँ (पाप-पुण्य, मत-अनृत, स्वर्ग नरक, आदि)। 7. विनियोग का स्वरूप- ऋषि, देवता, छन्द एवं उनका विनियोग।	12
ईकाई 3	**यज्ञमीमांसा-** 1. मीमांसाशास्त्र का संक्षिप्त परिचय । 2. वैदिक यज्ञों का परिणाम (अपूर्व आदि)। 3. देवतत्त्व की अवधारणा-	12
ईकाई 4	**वेद व्याख्या की प्रमुख परम्परायें—** 1. वेद की सार्वजनीन एवं सार्वभौमिक उपादेयता- अ) व्यक्तित्व निर्माण के सन्दर्भ में। ब) स्वस्थ समाज के निर्माण के सन्दर्भ में। स) राष्ट्र निर्माण के सन्दर्भ में।	12
ईकाई 5	1. वैदिक निर्वचन- याज्ञिक तथा आध्यात्मिक। 2. वैदिक पर्यावरण विज्ञान।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. वैदिक संहितायें- *ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद*।
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्वा प्रकाशन. वाराणसी।
3. ऋग्वेदभाष्यभूमिका, आचार्य सायण ।
4. अर्थसंग्रह, लौगाक्षिभास्कर।
5. भारद्वाज श्रौतसूत्र, सी.जी. काशीकर, पूना 1964 ।
6. ईश्वरसंहिता- भाग 1 (प्रस्तावना), संपादकीय वी वरदाचारी एवं गया चरण त्रिपाठी, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र।
7. मीमांसा कोश, केवलानन्द सरस्वती, 19521
8. ऋक्सूक्त वैजयन्ती, हरिदामोदर दास वेलणकर, पूना 1965 ।
9. वैदिक देवताओं का उद्भव एवं विकास गया चरण त्रिपाठी, नई दिल्ली. 2014 |
10. वैदिक देवता दर्शन, प्रभु दयाल अग्निहात्री, नई दिल्ली, 1989 |
11. वेदरश्मि, वासुदेव शरण अग्रवाल, वाराणसी, 1964 |
12. श्रौत कोश (तीन भागों में), सी.जी. काशीकर, पूना, 1964 ।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

13. धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रथम भाग), पी वी काणे, पूना।

14. संस्कृत साहित्य का इतिहास (भाग प्रथम-द्वितीय), संपादक, अजविहारी नाद एवं ओमप्रकाश पाता, लखनऊ, 1996।

15. यज्ञतत्त्वप्रकाश, चिन्नस्वामी शास्त्री. सं पटटाभिराम शास्त्री, मोती लाल बनारसीदास. वाराणसी. 1995!

16. वैदिक यज्ञों का सचित्र कोश, एच जी रानाडे, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र 2004।

17. पिंगलछन्दसूत्रम्, कपिलदेव द्विवेदी एवं श्यामलाल सिंह विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1019।

18. शतपथब्राह्मण (प्रथम भाग) भूमिका मात्र, युगलकिशोर मिश्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

19. वेद रहस्य, श्री अरविन्द, श्री अरविन्द आश्रम, पाण्डीचेरी, 2015 |

20. *Change and continuity in Indian Religion,* J Gonda, London, 1965.

21. Dual Deities in the religion of the Veda, I Gonda, London, 1974.

22. Brihadde vata or index to the Gods of the Rgveda, Shaunak, Ed. Rajendra Lal Mitra, 1893.

23. Sacrifice in the Raveda, Poddar KR, Bharatiya Vidya Bhawan, Bombey, 1953.

21. The Vedic Etymology, Fateh Singh, Kota 1952

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC4	**विषयकूटः-** ARHS 204	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**वेदाङ्ग-चतुर्थप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.प्राचीनशिक्षाव्यवस्थया सह परिचयोः भविष्यति। 2.कर्तव्याकर्तव्यस्य ज्ञानं भविष्यति। 3.वेदपठनस्यावबोधो भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)
सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**शिक्षा** 1. श्रुत्युक्त शिक्षा का स्वरूप। 2. शिक्षोक्त वर्णोच्चारण। 3. वेद की विभिन्न शाखाओं के अनुसार विभिन्न 'शिक्षा' ग्रन्थ। 4. शिक्षानुमत स्वरभक्ति का स्वरूप। 5. शिक्षा एवं प्रातिशाख्य का अन्तःसम्बन्ध।	12
ईकाई 2	**व्याकरण** 1. वेदों में व्याकरण नामक वेदा" की मुख्यता। 2. व्याकरण शास्त्र का प्रयोजन। 3. व्याकरण शास्त्र की प्राचीन एवं नव्य परम्परा।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	4. व्याकरण शास्त्र के अनुसार प्रकृति और प्रत्यय का विवेचन। 5. व्याकरण शास्त्र के द्वारा सुबन्त, तिङन्त, कारक एवं समास पदों का व्युत्पादन।	
ईकाई 3	**निरुक्त** 1. निरुक्त शास्त्र का स्वरूप एवं प्रयोजन। 2. वेदार्थावबोध में निरुक्त शास्त्र का योगदान। 3. निरुक्त के अनुसार शब्दनिर्वचन प्रकार। 4. निरुक्त के अनुसार मन्त्रों का त्रैविध्य। 5. निरुक्तानुरूप देवतास्वरूप चिन्तन।	12
ईकाई 4	**छन्द:शास्त्र** 1. वाणिक एवं मात्रिक छन्दों का विवेचन। 2. देवीगायत्र्यादि वैदिकन्दों का विभाजन। 3. लौकिकछन्दो में भगणादि गण की उपादेयता।	12
ईकाई 5	1. कला और ज्योतिष का स्वरूप 2. कल्प और ज्योतिष का प्रयोजन 3. कल्प एक ज्योतिष के अवान्तर भेद 4. कल्प एक ज्योतिष का सामाजिक प्रमाणिक उपादेयता	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. याज्ञवल्क्य शिक्षा, अमरनाथ शास्त्री, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली।

2. नारदीय शिक्षा, श्रीपीताम्बरापीठ, संस्कृत परिषद्, दतिया।

3. पाणिनीय शिक्षा शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन्, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2013 |

4. पिङ्गलछन्दसूत्रम्, कपिलदेव द्विवेदी, श्यामलाल सिह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2015 |

5. ऋग्वेद प्रातिशाख्यम्, वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।

6. अष्टाध्यायी, प्रशमा वृत्ति, ब्रह्मदत्त जिज्ञासु, रामलालकपूर ट्रस्ट, सोनीपत, हरियाणा।

7. निरुक्त, यास्क, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

8. व्यास शिक्षा।

9. शिक्षावल्ली, तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।

10. छन्दोमजरी, गंगादास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2015।

11. वृत्तरत्नाकर, केदार भट्ट, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2015 |

12 Chandas and Vedanga, Madhavis. Narsalay, Tirumalar Tirupati Devasthanams, Tirupati, 2019.

13. Origin and Development of Sanskrit Metrics, Arati Mira, The Asiatic Society.

14. Paninivana Siksā or the Siksa Vedanga ascribed to Panini, Manomohan Ghosh, University of Calcutta, 1938.

15. Shiksasangrah of Yagyavalkya and other, Rama Prasad Tripathi, Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi.

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses: 1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in		
भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः		
अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा		
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

तृतीयसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा-अङ्काः	आन्तरिक मूल्यांकन-अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 301	CC 1	पुनर्जन्म-बन्धन-मोक्ष-विमर्शः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 302	CC 2	प्रमाण सिद्धान्तः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 303	CC 3	भारतीय नीतिशास्त्र	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 304	CC 4	नाट्य	05	5Hrs	60	40	100
PVYG303	EC योग	योग के अनुप्रयोग एवं शिक्षण विधियाँ	05	5Hrs	60	40	100
VVVS302	EC वास्तुशास्त्रम्	भोजवास्तु					
ARSN304	EC संस्कृत	संस्कृतसाहित्येतिहासः					
VVJY302	EC ज्योतिर्विज्ञानम्	फलित ज्योतिषम्					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills	03	3 Hrs		60	60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion	02	2 Hrs		40	40
		TOTAL	30	30	300	300	600

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS)
GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततःछात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम् ।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

तृतीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC1	विषयकूटः- ARHS 301	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**पुनर्जन्म-बन्धन-मोक्ष- विमर्श-प्रथमप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.जीवविषयकं शात्रीयज्ञानं भविष्यति। 2.पुनर्जन्मविषयकं परिज्ञानं भविष्यति। 3.जीवनौचित्यस्य ज्ञानं भविष्यति	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1. जीव की अवधारणा। 2. बन्धन की परिभाषाएँ। बन्धन की कोटियाँ : प्राकृतिक, वैकृतिक और दाक्षिणक (साङ्ख्यकारिका 44, साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी)। 3. बन्धन का मूल कारण (गीता 3.37-3.43) तथा बन्धन की प्रक्रिया (गीता 2.62-67); अज्ञान (वेदान्त), मिथ्याज्ञान (न्याय), मिथ्यादृष्टि (बौद्ध), अविवेक (सांख्य)।	12
ईकाई 2	1. पुनर्जन्म का सिद्धान्त- अ) धर्म अभ्यास का संबल। आ) विनाश-भय के विचलन से ऊपर उठना। 2. प्रक्रिया : प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धान्त (बौद्ध)।	12
ईकाई 3	1. औपनिषद् दृष्टि 2. दार्शनिक दृष्टि	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	3. आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि	
ईकाई 4	1. मोक्ष का अर्थ एवं परिभाषाए। 2. मोक्ष- दु:ख निवृत्ति- अ) परम (अनन्त असीम) आनन्द उपनिषद् की दृष्टि में। ब) जीवनमुक्ति और विदेहमुक्ति (उदाहरण)। स) सन्यासी और गृहस्थ के लिए मोक्षविषयक पूर्वापेक्षाएँ।	12
ईकाई 5	1. मोक्ष मार्ग का निर्धारण- अ) विभिन्न योगमार्ग : अभ्यास, कर्म, भक्ति, ज्ञान। ब) भक्ति परम्परा एवं उसका योगदान। 2. आचार्यो की भूमिका।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. ऋग्वेद संहिता, 10वाँ मण्डल, 57वाँ सूक्त, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर पारडी।
2. बृहदारण्यकोपनिषद्, द्वितीय (श्वेतकेतु) तृतीय तथा नवम ब्राह्मण गीताप्रेस संस्करण, 1915।
3. कठोपनिषद् गीताप्रेस, गोरखपुर, प्रथम संस्करण, 2019।
4. मुण्डकोपनिषद् द्वितीय (श्वेतकेतु) तृतीय तथा नवम ब्राह्मण, गीताप्रेस संस्करण, 1915।
5. श्वेताश्वतरोपनिषद् गीताप्रेस, गोरखपुर, तृतीय संस्करण 1949।
6. कौषीतकि ब्राह्मणोपनिषद्।
7. श्रीमद्भगवद्गीता गीताप्रेस, गोरखपुर।
8. सनातनधर्मोद्धार (भाषा-भाव-प्रभाटीकासमेत) (खण्ड 1 से 4), उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाह्सक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, संवत् 1999।
9. भक्तमाल नाभादास, स्वामी रामभद्राचार्य की मूलार्थबोधिनी टीका का साथ प्रकाशित, जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उत्तरप्रदेश 2014।
10. भगवद्भक्तिरसायनम्, मधुसूदन सरस्वती, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
11. गीताव्याख्यानमाला गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 2006।
12. मैत्रयुपनिषद् सं रामतीर्थ पाण्डेय सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रथम संस्करण, 2001।
13. सांख्यतत्वकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2012।
14. Indian Philosophy vol. 1, Judunath Sinha, New Central Book Agency, Calcutta, Second revised book, 1987.
15. The development and place of Bhakti in Sankara Vedanta, Adya Prasad Mishra, Munshiram.

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा		
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

तृतीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC2	विषयकूटः- ARHS 302	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**प्रमाणसिद्धान्त-द्वितीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.प्रत्यक्षादिप्रमाणस्यावबोधो भविष्यति। 2.शब्दशक्तेः ज्ञानं भविष्यति। 3.प्रमाणविषयकप्राकरणिकं ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1. प्रमाणसिद्धान्त का उद्भव एवं विकास। 2. प्रमाण की वैध परिभाषा क्या है ? (प्राच्यपाश्चत्यावधारणानुसार) 3. शास्त्र विश्लेषण का भारतीय प्रारूप : प्रमाता, प्रमेय, प्रमाण, प्रमा।	12
ईकाई 2	1. प्रमाणों का स्वरूप, परिभाषा, विधि तथा सीमाएँ : प्रत्यक्ष, अनुमान एवं उपमान।	12
ईकाई 3	विभिन्न प्रकार के प्रमाणों का स्वरूप परिभाषा, विधि एवं सीमा। 1) शब्द, शब्दशक्ति (लक्षणा व्यंजना) शक्तिग्रह तथा तात्पर्य-ज्ञान तधा इनका पाश्चात्य विश्लेषण से	12
ईकाई 4	अर्थापत्ति, अनुपलब्धि एवं सम्भव, ऐतिह्य, चष्टादि	12
ईकाई 5	1. प्राकृतिक विज्ञान तथा विधि शास्त्र में विभिन्न प्रमाणों का प्रयोग- प्रत्यक्ष - प्रायोगिक विवरण।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	अनुमान - (यदि अ = ब तथा ब = स तब स = अ, सामान्यतः गणित तथा प्राकृतिक विज्ञान में प्रयुक्त) उपमान तुलनात्मकता तथा सादृश्य (गणितीय प्रतिमान/सादृश्य/समीकरण)। अर्थापत्ति - पारिस्थितिकीय प्रमाण (विधिशास्त्र में अधिकतर प्रयुक्त)। शब्द - आप्तोपदेश अनुपलब्धि – अप्रत्यक्ष ज्ञान। 2. प्रमाण सिद्धान्त का प्रयाम (अ) आनुभविक विज्ञानो में जैसे आयुर्वेद, विधिशास्त्र (न्यायिक प्रक्रिया) तथा अर्थशास्त्र। (ब) तत्त्वज्ञान में। 3. प्रमाणों की परस्पर पूरकता (प्रमाण सम्प्लववाद) तथा विमर्श की आवश्यकता। 4. समकालीन ग्रन्थों के अध्ययन में इनका अनुप्रयोग।	

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

1. न्यायभाष्यम् प्रसन्नपदा टीका सहित , सम्पा द्वारिकादास शास्त्री- सुधी प्रकाशन- वाराणसी
2. सच्चिदानन्द मिश्र न्यायदर्शन में अनुमान भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 2005 |
3. फणिभूषण तर्कवागीश, न्यायदर्शन भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, सम्पादक अम्बिकादत्त शर्मा
4. S.S. Barlingay, a Modern Introduction to Indian Logic, National Publishing House, 1965.
5. D.C. Guha, Navya Nyāya System of logic, Motilal Banarsidass, 1979
6. Nandita Bandyopadhyay, The Concept of Logical Fallacies, Sanskrit Pustak Bhandar, 1977
7. Ratna Dutta Sharma, Philosophical Discourse, Allied Publishers Pvt. Ltd, 2000.
8. Srilekha Datta, Validity is Not Enough'in P.K. Sen (ed.): Logical Identity and Consistency, Allied Publishers Limited, 1998
9. Chattopadhyay, Madhumita, Walking along the Path of Buddhist Epistemology, DK Printworld, 2007.
10. Kanada, Vaisesika Darsunam - with Prasas tabhasya (in Bengali)-ed. By Damodarasram, Kolkata,
11. Keshava Mishra, Tarkabhäṣö- ed. by Gangadhar Kar, part-1, Jadavpur University,
12. Narayana Bhatta, Manameyodaya, Calcutta Sanskrit College Research Series No. CXXXVIII.
13. Debabrata Sen, The Concepts of Knowledge, K. P. Bagchi, Calcutta, 1984.
14. K. N. Jayatilleke, Early Buddhist Theory of Knowledge, Routledge Pub, London, 1963.
15. Swami Satprakasananda, Huston Smith: Methods of Knowledge, Advaita Ashram, London,1995.
16. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-विश्वनाथपञ्चाननभट्टाचार्य
17. काव्यप्रकाशः- आचार्य मम्मट
18. शब्दशक्तिप्रकाशिका- जगदीशतर्कालङ्कार
19. शक्तिवाद गदाधरभट्टाचार्य वैयाकरणलघुमजुषा- नागेशभट्ट ।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. संस्कृत वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	सम्पूर्णांकः	
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

तृतीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC3	**विषयकूटः-** ARHS 303	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**भारतीय नीतिशास्त्र-तृतीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.प्राचीनन्यायव्यवस्थया सह परिचयो भविष्यति। 2.मौलिककर्तव्यस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	(1) आचारशास्त्र का इतिहास और स्वरूप। (मनु, याज्ञवल्क्य, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता-17 अध्याय)	12
ईकाई 2	(1) नैतिक शिक्षाओं के विविध रूप- प्रभुसम्मित, सुहृत्सम्मित एवं कान्तासम्मित उपदेश। (2) सनातन धर्म के आधारभूत नैतिक सिद्धान्त : (स्वामीविवेकानन्द, अरविन्दो, दयानन्द, गाँधी, मालवीय आदि)	12
ईकाई 3	(2) नीति ज्ञान के स्रोत तथा साधन। (3) नैतिक चेतना का विकास : मानवीय मूल्य का आधार और आत्मनियंत्रित मूल्य (प्रायश्चित विधान)। (4) मौलिक नैतिक सम्प्रत्ययः शुभ तथा अशुभ, न्याय तथा अन्याय, पुण्य तथा पाप, अधिकार तथा कर्तव्य। (5) नैतिक निर्णय (दैवी तथा आसुरी, सम्पत्- श्रीमद्भागवद्गीता)।	12

विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 4	(1) ऋण की अवधारणा (2) कर्मस्वातन्त्र्य, संकल्पस्वातन्त्र्य का सिद्धान्त, कर्त्तव्यवाद (श्रीमद्भगवद्गीता)। (3) पुरुषार्थचतुष्टय (महाभारत)। (4) कौटिलीय अर्थशास्त्र, चरक तथा सुश्रुत संहिता से। (ब) व्यवहारिक वेदान्त।	12
ईकाई 5	(1) आचारशास्त्र का इतिहास और स्वरूप। (मनु, याज्ञवल्क्य, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता-17 अध्याय)	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. सनातनधर्मोद्धार (खण्ड 1 से 4) उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय प्रकाशक श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, 1912।
2. आत्रेय, भीखनलाल,भारतीय नीति-शास्त्र का इतिहास, हिन्दी समिति सूचना विभाग उत्तर प्रदेश प्रथम संस्करण 1964।
3. रघुनाथ गिरी : आचारशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य, न्यू भारतीय बुक कार्पोरेश, दिल्ली 2009।
4. तिलक, बालगंगाधर, गीता रहस्य, पिलग्रिम्स प्रकाशन, वाराणसी, 2014।
5. महाभारत वेदव्यास, पण्डित श्रीपालसातवलेकर स्वाध्याय मण्डल पाड़ी जिला बालसड़, प्रथम संस्करण 1968।
6. श्रीमद्भगवद्गीता, मधुसूदन शास्त्री (सविमर्श बालक्रीड़ा) हिन्दी टीका सहित संवत् 2000।
7. अर्थशास्त्र , श्रीयुत प्रमथनाथ विद्यालङ्कार (मोतीलाल बनारसी दास) संवत् 1990।
8. पञ्चतन्त्र गंगासागर
9. वाल्मीकिरामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2016।
10. चरकसंहिता (1-4 भाग), चक्रपाणिदत्त विरचित आयुर्वेदिपिका व्याख्या एवं आयुर्वेददीपिका की तत्त्वप्रकाशिनी हिन्दी व्याख्या, लक्ष्मीधर द्विवेदी, चौखम्बा ऑफिस भवन।
11. सुश्रुतसंहिता, आयुर्वेदतत्त्वसंदीपिका, व्याख्योपेता, संदीपिका हिन्दी टिका सहित, स० अम्बिकादत्त शास्त्री।
12. काव्यप्रकाश, मम्मट (प्रथम उल्लास), गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा, वाराणसी।
13. Ratna Dutta Sharma and Indrani Sanyal, Dhqrmoniti oSruti, Mahaborihi Book Agecy with Jadavpur University, 2009.
14. Dikshit Gupta, *Nitividya*, Paschimbanga Rajya Siksha Parishad, 200/.
15. Sailajakuntar Bhattacharya, Vedic Ethics, Allied Publishers, 2000.
16. Arnita Chatterjee, Bhuratiya Dharmaniti, Jadavpur University Press, 2013.
17. N.K. Brahma, Philosophy of the Hindu Sadhana, London, 1934.
18. Surama Dasgupta, Development of Moral Philosophy in India, Munshiram Manoharlal Ptrblishers, New Delhi, 1994.
19. Saral Jhingram, Aspects of Hindu Morality, Motilal Banarsidass Publ., Delhi, 1989.
20. B.K. Matilal, Ethics ond Epics, Oxford University Press, Oxford, 2002.
21. Sitansu S. Chakravarti, Ethics of the Mahobhorata, Munshiram Manoharlal Publishers, Delhi 2006.
22. Swami Vivekananda : Proctical Vedanta, Calcutta : Adaaita Ashrama, 1964 Sri Aurobindo : The LifeDivine.
23. भतृहरि-नीतिशतकम्, विदुरनीति, चाणक्यनीति, शुक्रनीति।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses: 1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in		
भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः		
अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा		
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

तृतीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC4	**विषयकूटः-** ARHS 304	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**नाट्य-चतुर्थप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.नाट्यस्य परिज्ञानं भविष्यति। 2.नाट्यकाव्ययोः परम्परायाः ज्ञानं भविष्यति। 3. नाटकतत्त्वस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	(अ) भरतमुनि का नाट्यशास्त्र : महत्त्व एवं संरचना। (ब) नाट्य का उद्भव, स्वरूप और महत्व। (स) प्रेक्षागृह।	12
ईकाई 2	(अ) संस्कृत नाटक के प्राथमिक तत्त्व (पूर्वरंग)। (ब) रस, भाव, अभिनय- आंगिक तथा वाचिक (नाटक के संवाद तथा उसकी प्रस्तुति)। (स) सात्त्विक (अभिनय का भावपूर्ण पक्ष) आहार्य (साजसज्जा, परिधान, रंगसामग्री निर्माण तथा उपयोग)।	12
ईकाई 3	(अ) दशकरुपक और अठारह उपरुपक (स्वरूप और संरचना), धर्मी (रंगमंच प्रस्तुतीकरण के द्विविध प्रारुप), वृत्ति (चतुर्विध), प्रवृत्तियाँ (चतुर्विध)। (ब) स्वर, आतोद्य (यन्त्र संगीत) और रिद्धि।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 4	(अ) संस्कृत नाटक का संक्षिप्त इतिहास। (ब) भारतीय लोकरंगमंच परम्परा : एक प्रस्तावना।	12
ईकाई 5	नाट्यशास्त्र की परवर्ती परम्परा	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. दशरूपकम् (अवलोकसहित), धनञ्जय व धनिक, काशीनाथ पाण्डुरङ्ग परब, निर्णयसागरमुद्रणालय, मुम्बई, शक 1819।
2. दशकरुपकम् साहित्यशास्त्रसमुच्चय भाग 4.1 सम्पादक रेवाप्रसाद द्विवेदी, सदाशिव कुमार द्विवेदी, प्रकाशक-कालिदाससंस्थान 28 महामनापुरी, पोस्ट काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी 221005, 2019।
3. दशकरुपकम् (अवलोकसहित), धनंजय व धनिक अनुवादक रामजी उपाध्याय भारतीयविद्यासंस्थान वाराणसी-2।
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रकाशन कालिदास संस्थान, 28 महामनापुरी कालोनी, पा का.हि.वि.वि.
5. Natyasastra of Bharatmuni with English Translation of Manmohan Gosh (Calcutta) Hindi Translation, Shree Babulal Shukla.
6. Sangita Ratnākara with any standard translation.
7. Natyaśüstra (Kävyalaksanakhanda) Hindi Translation & Gloss, Ed. & Translator, Rewa Prasad Dwivedi, Indian Institute of Advanced Study (1IAS), Shimla & Aryan Books International, New Delhi, 2005.
8. Bharata, the Nötyaśüstra by Kapila Vatsyayan, Sahitya Academy, New Delhi, 1996.
9. Natya Samgaraha, Dr. Radhaballabh Tripathi.

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

चतुर्थसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा -अङ्काः	आन्तरिक मूल्यांकन- अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 401	CC 1	वादपरम्परा	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 402	CC 2	तत्त्वविमर्शः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 403	CC 3	साहित्यसिद्धान्तः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 404	CC 4	भारतीय कला	05	5Hrs	60	40	100
PVYG403	EC योग	भारतीय दर्शन एवं मानव चेतना	05	5Hrs	60	40	100
VVVS403	EC वास्तुशास्त्रम्	भोजवास्तु					
ARSN404	EC संस्कृत	काव्यशास्त्रेतिहासः					
VVJY402	EC ज्योतिविज्ञान	फलितज्योतिषम्					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills		03	3 Hrs	NA	60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion		02	2 Hrs	NA	40
		TOTAL		30	30	300	300

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS)
GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततःछात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम्।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र.सं एवं वे.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC1	**विषयकूटः-** ARHS 401	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**वादपरम्परा-प्रथमप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.शास्त्रार्थज्ञानं भविष्यति 2. ज्ञानपरम्परायाः ज्ञानं भविष्यति। 3.साधुशब्दप्रयोगस्य ज्ञानं भविष्यति। 4.परिचर्चायाः ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः) सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)		
ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1. वादपरम्परा : शास्त्रार्थ की विधि- अ) सम्पन्न करने की विधि, निर्णयन, अनुशीलन और अद्यतनता। ब) सिद्धान्त (सर्वतन्त्र- प्रतितन्त्र-अभ्युपगम-अधिकरण सिद्धान्त) 2. कथा (स्वरूप तथा प्रकार)- अ) वाद (स्वरूप तथा उद्देश्य) ब) जल्प (स्वरूप तथा उद्देश्य) स) वितण्डा (स्वरूप तथा उद्देश्य)	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 2	1. ज्ञान परम्परा का संगठन- अ) सूत्र (सिद्धान्तों की सूत्रात्मक प्रस्तुति), भाष्य (सिद्धान्त का विवरण), चार्तिक (निदिए तथा अनिर्दिष्ट स्थितियों की समीक्षा)। ब) वृत्ति (सिद्धान्त का संक्षिप्त विवरण)। स) टीका (सरलविधि में उदाहरण सहित विस्तृत विवरण)। द) टिप्पणी (किसी निश्चित बिन्दु, परिभाषा, शब्दावली, पादटिप्पणी के रूप में)	12
ईकाई 3	1. पदैकवाक्य एवं वाक्यैक्य वाक्यता। 2. अर्थनिर्धारण की प्रविधियाँ (श्रुति, लिङ्ग, वाक्य, प्रकरण, स्थान, समाख्या) 3. ज्ञान के तात्पर्यविश्लेषण के नियम षड्विधप्रक्रिया- षड्विधतात्पर्यनिर्णायक लिङ्ग।	12
ईकाई 4	1. तन्त्रयुक्ति : अन्वेषण विधि, प्राकृतिक विज्ञान, तकनीकी औषधि, विधिशास्त्र, निर्माण क्षेत्र में निर्णयन के विभिन्न स्तर तथा किसी समकालीन समस्या के समाधान में इनका प्रयाग। 2. नैयायिकप्रक्रिया (समस्या से निर्णय)।	12
ईकाई 5	वेदोच्चारण तथा अर्थ संरक्षण के माध्यम- 1. वेदाङ्ग। 2. पाठ-पद्धति(संहिता पाठ-पुरुषसुक्त के अनुसार, हिरण्यगर्भसूक्त, सामनस्यसूक्त-उच्चारण/ अष्टविकृतिपाठ ।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. न्यायभाष्यम्-प्रसन्नपदा सहित-सम्पा द्वारिकादास शास्त्री-सुधीप्रकाशन, वाराणसी
2. संवादोपनिषद्, राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक- भारत अध्ययन केन्द्र, मालवीय हरिटेज काम्लेक्स काशी हिन्दू विश्वविद्यालय.
3. 'भाष्यपरम्परा ज्ञानप्रवाहश्च', (भाष्यपरम्परासु ज्ञानप्रवाहसातत्यम्- उमाशंकर शर्मा ऋषि) सम्पादक – गोपबन्धु मिश्र, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात, 2020 |
4. सच्चिदानन्द मिश्र, अर्थ सामीप्य अर्थ निर्धारण का महत्त्वपूर्ण घटक, दर्शन के आयाम, ब्रह्ममाद्य--1, न्यू भारती बुक कार्पोरेशन,
5. आपदेन, राधेश्याम चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
6. शांक राम सांख्यदर्शन अशुतोष त्रिपाठी, भारती प्रकाशन, 20201।
7. Kautiliya arthasastram Hindi vyakhyopetam by Väcaspati Gairola, Caukhamba Vidyabhavana, Varanasi
8. Radhavallabh Tripathi, Vada in Theory and Practice studies in debates, dialogues, and discussions in Indian intellectual discourses, IIAS, Shimla and DK Print World, New Delhi, 2016.
9. Kamalesh Datta Tripathi, The Structure of the Sastra and The Tradition of Exegesis: An Overview of the Indian Exegesis.
10. K. N. Chatterjee, Word and Its Meaning A New Perspective, Varanasi, 1980.
11. P. K. Mazumdar. The Philosophy of Language: An Indian Approach, Calcutta, 1976.

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses: 1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in
भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः
अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः- CC2	**विषयकूटः** - ARHS 402	सत्रम् -2022-**2023**
2.	शीर्षकः	**तत्त्वविमर्शः-द्वितीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. कथावाचकाः भविष्यति। 2. वैषयिकतत्त्वज्ञानं भविष्यति। 3.पौराणिकमहत्वस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः) सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)		
ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**हिन्दूवाद का मूल एवं क्रमिक इतिहास** 1. 'हिन्द वंशावली, भौगोलिक सम्प्रत्यय। 2. 'हिन्द भारतीय मनीषियों तथा विदेशी विद्वानों के मतों का समीक्षण 3. भारतीय ज्ञान परम्परा (आर.दशाविद्या) और इनके आचार्य। 4. भारतीय परम्परा में पदार्थ तत्त्व, (काल एवं दिक्) की प्रकृति एवं पंचमहाभूतों का स्वरूप।	12
ईकाई 2	1. सम्पूर्ण परम्परा में आत्मा एवं आत्मतत्त्व की अवधारणा विषयक समानता। 2. सम्प्रभुता का समानांतर सिद्धान्त (आत्मानुशीलन)- अ) आत्मपरिचय : वाक्सूक्त, देव्यथर्वशीर्ष, कृष्ण (इन्द्रो-मायाभिपुरुरूपमीयते)। ब) अर्धनारीश्वर कश्मीर शैव-दर्शन एवं बृहदारण्यक उपनिषद् (1.4.3)	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 3	1. शक्ति और प्रकृति का सिद्धान्त स्त्री तथा देवियों के परिप्रेक्ष्य में । 2. सौन्दर्यलहरी सामान्य अध्ययन। 3. जैन एवं बौद्ध तथा सिक्ख परम्पराओं में स्त्री सिद्धान्त विषयक समानता।	12
ईकाई 4	1. अ) वैदिक परम्परा में एकत्व का सिद्धान्त, विरुद्ध मतों की स्वीकार्यता का आधार । ब) जैन, बौद्ध, न्याय, वैशेषिक एवं सिक्ख, सिद्धान्तों में अन्तःसंयोजनात्मकता। 2. अनन्त ज्ञान और विनम्रता का उत्स : (नासदीय सूक्त,गजेन्द्रमोक्षस्तोत्रम् श्री म.भा. 8/3 जैन, बौद्ध एवं सिवरन ग्रन्थों के सन्दर्भ में)। 3. शब्दावली में एकल एक सत्ता के अनेक अभिधान (जैसे--- विष्णु, बुद्ध, सूर्य एवं प्रेम)। 4. अन्त संयोजनात्मकता, एकत्व, अन्योन्याश्रितता, स्वीकार्यता में अन्त सम्बन्ध । 5. तर्क की स्वीकार्यता : असहिष्णुता, हिंसा एवं आतंकवाद का निषेध (वैदिक मन्त्र, जैन (जिनदत्त सूरि) तथा सिक्ख मत।	12
ईकाई 5	**वैदिक दृष्टि** वर्ण की तात्विक स्थिति : पुरुषसूक्त, बृहदारण्यक उपनिषद् एवं मनीषापञ्चक(शंकराचार्य)।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. पुरुषसूक्त, ऋग्वेद 10 भण्डल 90वी सूक्त श्रीपाद दामादर सावन
2. नासदीयसूक्त, ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वीं सूक्त, श्रीपाद दामादर
3. वाक्सूक्त ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वां सूक्त श्रीपाद दामादर
4. ईशादिनवोपनिषद्, हरिहरनाथ भागवत (ईश--केन-कठ-प्रश्न प्रकाशन, 2015 |
5. वैदिकसूक्तसंग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण।
6. सौन्दर्यलहरी, पिताम्बरा पीठ, दतिया मध्यप्रदेश।
7. शाङ्करज्योति (मनीषापञ्चक), सोमस्कन्दन, पयस्वती प्रकाशन, करादी, वाराणसी 2004 |
8. मनीषापञ्चक, आदिशङ्कराचार्य, पी पी नारायण स्वामी, 2020
9. बृहदारण्यक उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण, 1915.
10. पुरुषार्थचतुष्टय, प्रेमवल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
11. भारतीय विद्यासार (भाग 1 एवं 2). भारतीय विद्या भवन, सं- शशिबाला आम विकास. अशाक प्रधान, नई दिल्ली, 2018।
12. संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास, सं-- कमलाकान्त मिश्र एन सी आर नई दिल्ली, 2003।
13. प्राचीन भारतीय आचार्य, सम्पादिका - शशिप्रभा कुमार, रवा प्रकाशन, नई किती 2016।
14. भारत की संत परम्परा और सामाजिक समरसता कृषागापाल मध्यप्रदेश काय अकादी मापन 2018।
15. दुर्गासप्तशती, गीताप्रेस, गोरखपुर, सस्करण, 2017 |
16. केनोपनिषद्, ईशादि नो उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2017 |

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

17. The Concept of Atman in the Principal Upanisads. In the Perspective of the Samhitas, the Brahmanas, the Aranyakas and Indian Philosophical System, Baldev Raj Sharma, Dinesh Publications, Jalandhar 144008, 1972.

18. जिनसेन–महापुराण

19. Facets of Indian Heritage, Ed. Dipti Sharma Tripathi, New Bharatiya Book Corporation, Delhi, 2008.

20. The Tantras and Their Impact on Indian Life, Ed. Pushpendra Kumar, Vidyanidhi Prakashan, Delhi, 2004.

21. Relevance of India's Ancient Thinking to contemporary Strategic Reality.

22. Maitryupanisad, S. Radhakrishnan, The Principal Upanisads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.

23. Taittiriyopaniṣad, S. Radhakrishnan, The Principal Upanisads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.

24. Subala Upaniṣad, S. Radhakrishnan, The Principal Upanisads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.

25. Samkhya Karika, Ed. & Tr. Ramäsankara Tripathi, Chaukhaba Krishnadas Academy, Varanasi, 2015.

26. Tarkabhāsā- Yasovijaya,Ed. Dayananda Bhargava, Motilal Banarasidas, 1973.

27. Vaisesika Ganitiya Paddhati, N.G. Dongre, Varanasi, S.S.V., 1965.

28. Vedantaparibhāsā (visaya paricchedah), Dharmarajadhvarindra, ed. by Panchanan Shastri, Sak 1883.

29. Sankhyatattvakaumudi, Vacaspati Misra, ed. by Narayan Chandra Goswami, 1921.

30. Classical Indian Metophysics, Stept H. Philips, Delhi: Motilal Banarasidass, 1997.

31. Indian Realism, Jadunath Sinha, London: Kegan Paul, 1938.

32. Indian Realism, P.K. Mukhopadhyaya, Calcutta: K.P. Bagchi 1984.

33. Vaisesika Philosophy, H. Ui, Varanasi: Chowkhambha Sanskrit Series 22, reprinted in 1962

34. Tarkabhāsa Vol-11, Gangadhar Kar, Kolkata: Mahabodhi Books, 2014 Gopinath Bhattacharya.

35. Nyāya Tattva Parikrama, K. K. Banerjee.

36. Facets of Indian Thought, Betty Heimann, George Allen & Unwin Ltd, London, 1964.

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60

समयः : **03:00** घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

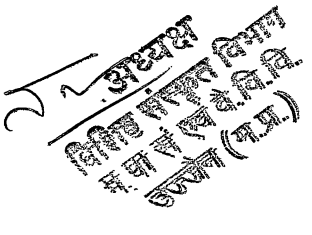

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC3	**विषयकूटः** - ARHS 403	सत्रम् -2022-2023
2.	शीर्षकः	**साहित्य सिद्धान्त-तृतीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. काव्यशास्त्रस्य विशिष्टज्ञानं भविष्यति। 2.काव्यनिर्माणेषु निपुणः भविष्यति। 3. औचित्यविषयकं ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	1. वाङमय साहित्य, काव्य तथा शास्त्र-परिभाषाएँ। 2. भारतीय काव्य परम्परा- वैदिक तथा लौकिक। 3. क्षेत्रीय भाषाओं में रचित काव्य।	12
ईकाई 2	1. साहित्य व काव्यरचना के प्रयोजन भारतीय दृष्टि। 2. साहित्य का काव्यरचना के आधार। 3. शब्दवृत्तियाँ। 4. अर्थनिर्धारण की पद्धतियाँ : ध्वनिसिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में।	12
ईकाई 3	1. साहित्य समीक्षा के सिद्धान्त- (क) रस, अलंकार, रीति (गुण) (ख) ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य	12

विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	2.	सामजिक का स्वरुप।	
	3.	रस तथा भाव की अवधारणा।	
ईकाई 4	1.	साहित्यशास्त्र के अर्वाचीन सिद्धान्त- अलं ब्रह्मवाद, चमत्कारवाद, आस्वादवाद।	12
ईकाई 5	1.	पाश्चात्य साहित्य समीक्षा सिद्धान्त का सर्वेक्षण।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. नाट्यशास्त्र, भरतमुनि, अनुवादक – पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1996।
2. काव्यादर्श, दण्डी, व्या, शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009।
3. काव्यलक्षण, दण्डी, मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा।
4. काव्यालङ्कार, भामह, व्या रामानन्द शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, चौक, वाराणसी, 2013।
5. साहित्यदर्पण, विश्वनाथ, व्या, शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2013।
6. काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति (साहित्यशास्त्रसमुच्चय भाग-1) वामन सं. रेवाप्रसादद्विवेदी, सदाशिवकुमारद्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005।
7. ध्वन्यालोक आनन्दवर्द्धन, अनु जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2011।
8. औचित्यविचारचर्चा, क्षेमेन्द्र, अनु. ब्रजमोहन झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1982।
9. वक्रोक्तिजीवित, कुन्तक, अनु राधेश्याम मिश्र, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, वि.सं. 2055।
10. काव्यप्रकाश, मम्मट, नागेश्वरी टीका सहित, सं. श्रीहरिशंकर शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, वि.सं. 2060।
11. दशरुपक (सावलोक), धनंजय-धनिक भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2019।
12. साहित्यशास्त्रसम्मुच्य भाग 1 से 7 सं. रेवाप्रसादद्विवेदी, सदाशिवकुमारद्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी।
13. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005,
14. अल ब्रह्म, रेवाप्रासाद द्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005, 2005।
15. काव्यालंकारकारिका (हिन्दी, अंग्रेजी अनुवाद तथा टिप्पणी सहित), रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, ए 95, सेक्टर 5, नोएडा 201301, 2002, वितरक विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन चौक, वाराणसी -221001।
17. Jagnnatha Panditaraja: Rasagangocinara.with the commentary of Nagoji Bhatta, Nirnayasagar Press, Bombay, 1974.
18. Kane, P.V.: History of Sanskrit Poetics, Mo:ilal Banarsidass, Delhi, 1971.
19. Ed. Pt. Revs Prasada Dwivedi: Mahimabhatta, Vyaktiviveka, with a Sanskrit commentary of Rajanaka Ruyyaka and 1iindi commentary and notes,"howkhamba Sanskrit Series Office, Varanasi-1, 1974.
20. Raghavan V: Sanskrit Drama in Petformane, Ed. Rachel M. Baumen and James R. Brandon, Hawaii,
21. Sharma, Mukund Madhav: The Dhvani Theory in Sanskrit Poetics, Chowkhariba Sanskrit Series Office. Varanasi 1, 1968.
22. An Exposition of Vyakti Vivek, Triloknath Jha, Mithila Research Institute. Darbhanga.
23. An Exposition of the Chitra Mimansa, Mangal Pati Jha, Mithila Research Institute, Darbhanga.

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC4	**विषयकूटः-** ARHS 404	सत्रम् -2022-**2023**
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/शीर्षकः	**भारतीयकला-चतुर्थप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. भारतीयकलायाः परिज्ञानं भविष्यति। 2.सौन्दर्यकलायाः सामान्यज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः) सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)		
ईकाई	विषयः	अङ्काः
ईकाई 1	1. भारतीय चिन्तन में कला की प्रतिष्ठा। 2. कला आध्यात्मिक, आधिदैविक एवं आधिभौतिक रूपों में। 3. सौन्दर्य की भारतीय अवधारणा। 4. सौन्दर्य के परिमाण एवं सौंदर्यानुभूति।	12
ईकाई 2	नाट्यशास्त्र का प्रदर्शन एवं बुद्धिवैलक्ष्णय कलाएँ एवं गायन, वादन और नर्तन कलाएँ- संगीतरत्नाकर (शारंगदेव) के सन्दर्भ में एवं क्रीडाकौतुक।	12
ईकाई 3	औपनिषदिक कलाएँ, आलेख्य एवं चित्रकला।	12
ईकाई 4	1.स्थापत्य एवं मूर्तिकला की मौलिक, अवधारणायें तथा उनका शास्त्रीय विश्लेषण।	12
ईकाई 5	1. हिन्दू प्रतिभा विज्ञान। 2. कला का आगमिक स्वरुप।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. यजुर्वेद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पार्डी जिला बालसड, प्रथम संस्करण, 1968।
2. अथर्ववेद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पार्डी जिला बालसड, प्रथम संस्करण, 1968।
3. जायामङ्गला व्याख्या: श्री यशोधर विरचित (विद्या समुदेश्य प्रकरण) (तृतीय अध्याय), व्याख्याकार- श्री देवदत्त शास्त्री प्रकाशक- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, संवत् 2039, सन् 2017।
4. महाभारत, गीता प्रेस संस्करण, संवत् 2016।
5. प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, तृतीय संस्करण, 1963।
6. मध्यकालीन बोधनस्वरुप (ई-बुक) हजारी प्रसाद संस्थान, लखनऊ, 1984।
7. क्षेमेन्द्र और उनका समाज उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1984।
8. तान्त्रिक साहित्य, गोपीनाथ कविराज, राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन, हिन्दीभवन महात्मागाँधीमार्ग, लखनऊ, 1992।
9. भारतीय संस्कृति की रुपरेखा, पृथ्वी कुमार अग्रवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, तृतीय संस्करण, 2020।
10. भारतीय कला वासुदेवशरण अग्रवाल पृथ्वी प्रकाशन, लङ्का, वाराणसी, 1966।
11. भारतीय वास्तुकला का इतिहास, कृष्ण दत्त वाजपेयी, उत्तरप्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, 2015।
12. भारतीय संस्कृति के आधार, श्री अरविन्द, अनु० जगन्नाथ वेदालंकार एवं चन्द्रदीप त्रिपाठी, श्री अरविन्द आश्रम, पांडिचेरी, तृतीय संस्करण, 2017।
13. भारत की चित्रकला, रायकृष्ण दास, भारती भण्डार, इलाहबाद, 1936।
14. भारतीय मूर्तिकला, रमानाथ मिश्र, दिल्ली 1978।
15. मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला, मारुतीनन्दन प्रसाद तिवारी और कमल गिरि, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वितीय संस्करण.
16. Bharata, the Natyaastra (VI and VII Chapter), Translation: M.M. Gosh, Asiatic Society, Kolkata, 1950.
17. Vastu-shatra Hindu Science of Architecture, Shukla D. N., Muraliram Manoharlal Publishers, New Delhi.
18. The Dharma Chakra Pravartan in Literature and Art, Deena Bandhu Pandey, New Delhi, 1973.
19. Painting of India, Barrett, D. & B Gray, Lausanne: Skira, 1963.
20. The Jaina Iconography, Bhattacharya, B.C. Delhi: Motilal Banarsidass, 1974.
21. ShilpaPrakasha, Boner, Alice and SadashivaRath Sharma. New Delhi: Indira Gandhi National Centre for the Arts and MotilalBanarsidass Publishers, 2005.
22. Symbolism of Indian Architecture, Coomaraswamy, Ananda K., Jaipur: Historical Research Documentation Programme, 1983.
23. Transformation of Nature in Art, Coomaraswamy, Ananda K., Combridge Mass, 1934.
24. Introduction to Indian Art, Coomaraswamy, Ananda K. New Delhi: Munshiram Manoharlal Publishers,
25. Temples of India, Vols. 1 -2, Deva, Krishna, New Delhi: Archaeological Survey of India, 1995.
26. Silpa in Indian Tradition, Mishra, R.N., New Delhi: Aryan Books International, 2009.
27. Facets of South Indian Art and Architecture, Nagaswamy, R., New Delhi: Aryan Books International, Indian Painting, Barrett, & B Gray. Geneva: d'art Albert Skira, 1913.
28. Pahari Miniature Painting, Khandalawala. K., Bombay: The New Book Com pan. 1958.
29. Basohli Painting, Randhawa, M.S., New Delhi: Publications Divkions. Govt. of Indi.r, 1959.
30. Sadanga or Six Limbs of Painting, Tagore, A., Indian Society of Oriental Art, Cale utta, 1968

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.प्र. सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)